Hindi Murli Quiz 23-11-2015

.

Q.1) ड्रामा अनुसार बाबा जो सर्विस करा रहे हैं उसमें और तीव्रता लाने की विधि क्या है?

A. आपस में एकमत हो, कभी कोई खिट-खिट न हो।
B. अगर खिट-खिट होगी तो सर्विस क्या करेंगे |
C. आपस में मिलकर संगठन बनाए राय करो, एक दो के मददगार बनो।
D. बाबा तो मददगार है ही परन्तु "हिम्मते बच्चे मददे बाप...."
E. "हिम्मते बच्चे मददे बाप...." इसके अर्थ को यथार्थ समझकर बड़े कार्य में मददगार बनो।

Q.2) Match the following

	Choice		Match
A	हम मन्सा- वाचा-कर्मणा, तन-मन-धन से ऐसी सर्विस करें जो	1	तो बाप की मत पर चलना पड़े।
B	मनुष्य तो कुछ नहीं जानते, बेसमझ हैं। तुम बच्चों के लिए बाप का फरमान है-	2	योग सिखलाते हैं। बाप तुम बच्चों को आपसमान बनाते हैं।
C	बेहद का बाप ही आकर सच्चा- सच्चा	3	मीठे-मीठे बच्चों, तुम अपने को आत्मा समझो, सिर्फ पण्डित नहीं बनना है। अपना भी कल्याण करना है।
D	अभी माला बनाई जाए तो कहेंगे	4	डिफेक्टेड माला है। इनमें अजुन यह-यह अवगुण हैं।
E	तुम बच्चे जानते हो वही नॉलेजफुल, लिबरेटर, गाइड है।	5	भविष्य 21 जन्मों का एवज़ा बाप से मिले।

Q.3) Match the following

	Choice		Match
A	यहाँ सब पाप आत्मायें हैं। बाप को ही गाली देते रहते हैं।	1	बाप से तुमको बेमुख कर देते हैं। गायन भी है विनाश काले विपरीत बुद्धि।
B	मूल बात सबको मैसेज देना है।	2	खलास हो जाए। कर्मेन्द्रियों से कोई विकर्म नहीं करना चाहिए।
C	रचयिता बाप ही है, चित्र तो हैं परन्तु त्रिमूर्ति में शिव को नहीं दिखाते हैं।	3	बाप को याद करो तो पावन बन, पावन दुनिया का मालिक बनो।
D	जब तक बाप नहीं मिला है, तो हम भी बिल्कुल	4	शिवबाबा बिगर ब्रह्मा-विष्णु-शंकर दिखाये हैं, जैसे गला कटा हुआ है।
E	बाप आत्माओं को कहते हैं - मुझे याद करो तो तुम्हारी विकारी दृष्टि	5	निधनके तुच्छ बुद्धि थे।

Q.4) Match the following

	Choice		Match
A	अपने मूल संस्कारों के परिवर्तन द्वारा	1	आगे बढ़ने में रूकावट डालता है
B	हर एक में जो अपना मूल संस्कार है	2	तो शुरू से ही है।
C	जो समय प्रति समय	3	उदाहरण स्वरूप बनो तब सम्पूर्ण विश्व का परिवर्तन होगा।
D	उस मूल संस्कार का परिवर्तन करने वाले	4	जिसको नेचर कहते हो	
E	अब ऐसा परिवर्तन करो जो कोई यह वर्णन न करे कि इनका यह संस्कार	5	विश्व परिवर्तन करने वाले उदाहरण स्वरूप भव!
F	जब परसेन्टेज में, अंश मात्र भी पुराना कोई संस्कार दिखाई न दे, वर्णन न हो	6	तब कहेंगे यह सम्पूर्ण परिवर्तन के उदाहरण स्वरूप हैं।

Q.5) अब प्रयत्न का __ बीत गया, इसलिए दिल से प्रतिज्ञा कर जीवन का परिवर्तन करो।